(ख) इस संबंध में पौड़ी गढ़वाल जिले की कितनी ग्राम सभाओं से अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं; और

(ग) अभ्यावेदनों के संबंध में लिए गए निर्णयों का ब्यौरा क्या है?

ग्रामीण विकास मंत्रालय (ग्रामीण विकास विभाग) में राज्य मंत्री (श्री रामेश्वर ठाकुर): (क) जी नहीं।

(ख) इस मामले में पौड़ी गढ़वाल जिले से कोई अभ्यावेदन प्राप्त नहीं हुए हैं।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

Joint vestures with foreign fums in the leather industry

*233. SHRI MATANG SING- Will the PRIME MINISTER, be pleased *to* state:

(a) whether it is a fact that Government ars considering several pro. posals with foreign firms for joint ventures in the leather industry;

(b) if so, the details of each of such proposals; and

(e) the progress made in this regard and the anticipated foreign investment in the leather industry during the Eighth Five Year Plan?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) WITH ADDITION-NAL CHARGE OF THE MINISTER OF STATE IN THE, MINISTRY OF INDUSTRY 'DEPARTMENT OF HEAVY INDUSTRY) SHRIMATI KRISHNA SAHI): (a) No, Sir.

(b) and (c) Do not arise. *234.

(Transferred to 22nd March, 1993)

गुजरात में हैंडपम्पों का लगाया जाना

*235. **गोपाल सिंह जी० सोलंकी:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या गुजरात सरकार ने राज्य के ग्रामीण तथा सूखा प्रभावित क्षेत्रों में हैंडपम्प लगाने के लिए वित्तीय सहायता की मांग की है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) इन क्षेत्रों में अब तक जिलेवार और केन्द्रवार कितने-कितने हैंडपम्प लगाये गये हैं?

ग्रामीण विकास मंत्रालय (ग्रामीण विकास विभाग) में राज्य मंत्री (श्री उत्तमभाई एच० पटेल): (क) गुजरात राज्य सरकार ने ग्रामीण और सूखा प्रभावित क्षेत्रों में हैंडपम्प लगाने के लिए 1992–93 में कोई वित्तीय सहायता नहीं मांगी है। तथापि, केन्द्र सरकार की पहल पर राज्य सरकार ने डा० बाबा साहेब अम्बेडकर शताब्दी कार्यक्रम के भाग के रूप में अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों की बस्तियों में 2127 हैंडपम्प लगाने के लिए 5.32 करोड़ रुपये की स्वीकृति के लिए 5 अगस्त, 1991 के पत्र द्वारा अनुरोध किया था।

(ख) राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित बस्तियों की संख्या और अपेक्षित हैंडपम्पों की संख्या के ब्यौरे निम्नलिखित हैं:—

क्रमांक	जिले का नाम	बस्तियों की संख्या	अपेक्षित हैंड-पम्पों की संख्या
1.	बड़ौदा	120	188
2.	पंचमहल	244	436
3.	भड़ौच	102	163
4.	सूरत	93	161
5.	बलसाड़	700	1179
		1264	2127

अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों की बस्तियों में पेयजल सुविधाएं मुहैया कराने के लिए आवंटित की गई 60 करोड़ रुपये की कुल राशि में से